अस्मिन् प्रश्नपत्रे **51** प्रश्नाः एवम् **16** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में **51** प्रश्न तथा **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं. | | | | | | | | | | | | |

गूढसंख्या **69/S/A**
कोड नं.

SET
स्तवकः **A**
सेट

BHARATIYA DARSHAN
भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(247)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ____________________
2. ____________________

सामान्या निर्देशाः –

1. सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि दत्तोत्तरपुस्तके एव लिखन्तु।
2. प्रश्नपत्रिकां पठितुं **15** निमेशाः दत्ताः। प्रश्नपत्रिका **02.15** मध्यह्ने समये दीयते। **02.15** समयतः **02.30** समयपर्यन्तं प्रश्नपत्रिकामेव छात्राः पठेयुः, एतस्मिन् समये उत्तरपत्रिकायां न किमपि उत्तरं लिखेयुः।
3. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
4. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
5. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
6. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
7. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
8. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **69/S/A,** स्तबक-**A** नूनं लेख्या।
9. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
3. प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमाङ्क अवश्य लिखें।
4. प्रश्न–पत्र की पृष्ठसंख्या एवं प्रथमपृष्ठ में दिये गये प्रश्नों की संख्या और प्रश्नों के क्रम ठीक हैं या नहीं इसका निरीक्षण करें।
5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उचित विकल्प (क), (ख), (ग), (घ) चुनकर उत्तर–पत्र में लिखें।
6. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।
7. उत्तर–पत्र में आत्मपरिचय न दें तथा निर्दिष्ट किये गये स्थान में ही अनुक्रमाङ्क (रोल नं.) लिखें।
8. अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड **69/S/A**, सेट–**A** अवश्य लिखें।
9. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

BHARATIYA DARSHAN
भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(247)

परीक्षासमयावधि : होरात्रयम्] **पूर्णाङ्काः : – 100**

परीक्षा का समय : 3 घंटे] **पूर्णाङ्क : – 100**

निर्देशाः **(i)** अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

(iii) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

(iv) [A] भागे प्र.सं. 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकं एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

(v) [B] भागे प्र.सं. 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्–असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) [C] भागे प्र.सं. 36 तः 41 पर्यन्तं अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं 30 तः 50 शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(vii) [D] भागे प्र.सं. 42 तः 47 पर्यन्तं अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं 50 तः 80 शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) [E] भागे प्र.सं. 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्च अङ्कात्मकः सन्ति। ते यथानिर्देशं 80 तः 100 शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेखनीयानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेखनीया।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् तथा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेखनीयानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेखनीयः।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

निर्देश : **(i)** इस प्रश्न–पत्र में भाग **[A]** में **20**, भाग **[B]** में **15**, भाग **[C]** में **6**, भाग **[D]** में **6**, भाग **[E]** में **4**, प्रश्नों सहित कुल **51** प्रश्न हैं।

(ii) प्रश्न के दाहिनी ओर प्रश्न की संख्या एवं अंक (अंक × प्रश्न = पूर्णाङ्क) निर्देशित हैं।

(iii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(iv) भाग **[A]** में प्र.सं. **1** से **20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार **(MCQs)** के प्रत्येक एक अंक के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखें।

(v) भाग **[B]** में प्र.सं. **21** से **35** तक वस्तुनिष्ठ/सुमेलन, रिक्त स्थान, सत्य–असत्य इत्यादि के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो अंक है। इन्हें निर्देशानुसार हल कीजिए। (उनका निर्देशानुसार समाधान कीजिए।)

(vi) भाग **[C]** में प्र.सं. **36** से **41** तक अतिलघूत्तरीय प्रकार के प्रत्येक दो अंकों के प्रश्न हैं। इनका उत्तर **30** से **50** शब्दों के मध्य देना निर्देशित है।

(vii) भाग **[D]** में प्र.सं. **42** से **47** तक लघूत्तरीय प्रकार के प्रत्येक तीन अंकों के प्रश्न हैं। इनका उत्तर **50** से **80** शब्दों के मध्य देना निर्देशित है।

(viii) भाग **[E]** में प्र.सं. **48** से **51** तक दीर्घउत्तरीय प्रकार के प्रत्येक पाँच अंकों के प्रश्न हैं। इनका उत्तर **80** से **100** शब्दों के मध्य देना निर्देशित है।

(ix) सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखना है।

(x) अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का गूढ़संख्या (कोड नं) अवश्य लिखें।

(xi) उत्तर–पुस्तिका में निर्दिष्ट स्थान के अतिरिक्त किसी भी स्थान पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी एवं अनुक्रमांक लिखना सर्वथा वर्जित है।

(xii) सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।

(xiii) यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्नपत्र में दी गई कुल पृष्ठों एवं प्रश्नों की संख्या प्रथम पृष्ठ पर दी गई संख्या के समान हैं एवं प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

(xiv) प्रश्नपत्र के प्रथम पृष्ठ पर अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[A] प्रश्नसंख्या 1-20 बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते 20 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति। 1×20=20

प्रश्न क्रमांक 1-20 तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

1 वेदो नाम किम् ?

(क) लौकिकज्ञानराशिः (ख) अलौकिकज्ञानराशिः

(ग) दैवज्ञानम् (घ) ऐश्वर्यम्

वेद क्या है ?

(क) लौकिक ज्ञानराशि (ख) अलौकिक ज्ञानराशि

(ग) दैव ज्ञान (घ) ऐश्वर्य

2 मन्त्रांशं विहाय वेदस्य अवशिष्टः भागः कः ?

(क) साम (ख) ब्राह्मणम्

(ग) ऋक् (घ) यजुस्

मन्त्र भाग को छोडकर वेद का अवशिष्ट भाग क्या है ?

(क) साम (ख) ब्राह्मण

(ग) ऋक् (घ) यजुस्

3 'कर्मचोदना ब्राह्मणानि' इति ब्राह्मणलक्षणं केन उक्तम् ?

(क) सायणेन (ख) आपस्तम्बेन

(ग) जैमिनिना (घ) शङ्कराचार्येण

'कर्मचोदना ब्राह्मणानि' इस ब्राह्मण लक्षण किसने किया है ?

(क) सायण (ख) आपस्तम्ब

(ग) जैमिनि (घ) शङ्कराचार्य

4 ऋग्वेदीयं कर्म कः करोति ?

(क) होता (ख) अध्वर्युः

(ग) उद्गाता (घ) ब्रह्मा

ऋग्वेदीय कर्म कौन करता है ?

(क) होता (ख) अध्वर्यु

(ग) उद्गाता (घ) ब्रह्मा

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

5 उपनिषत् इति शब्दस्य मुख्यार्थः कः ?

(क) संहिता (ख) ब्रह्मविद्या

(ग) शास्त्रम् (घ) वेदः

उपनिषद शब्द का मुख्य अर्थ क्या है ?

(क) संहिता (ख) ब्रह्मविद्या

(ग) शास्त्र (घ) वेद

6 कति महापुराणानि सन्ति ?

(क) नव (ख) अष्टादश

(ग) त्रिंशत् (घ) अष्टाविंशतिः

कितने महापुराण हैं ?

(क) नौ (ख) अठारह

(ग) तीस (घ) अट्ठाईस

7 वैशेषिकदर्शनमते सप्तमः पदार्थः कः ?

(क) समवायः (ख) विशेषः

(ग) सामान्यम् (घ) अभावः

वैशेषिक दर्शन के अनुसार सातवाँ पदार्थ क्या है ?

(क) समवाय (ख) विशेष

(ग) सामान्य (घ) अभाव

8 वेदान्ते कति प्रस्थानानि सन्ति ?

(क) त्रीणि (ख) चत्वारि

(ग) द्वे (घ) पञ्च

वेदांत में कितने प्रस्थान हैं ?

(क) तीन (ख) चार

(ग) दो (घ) पाँच

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

9 धनुर्वेदः केन प्रणीतः ?

(क) चरकः (ख) गौतमः

(ग) विश्वामित्रः (घ) वशिष्ठः

धनुर्वेद का प्रवर्तन किसने किया ?

(क) चरक (ख) गौतम

(ग) विश्वामित्र (घ) वशिष्ठ

10 जैनदर्शनस्य प्रवर्तको हि –

(क) गौतमबुद्धः (ख) जैमिनिः

(ग) अक्षपादः (घ) ऋषभदेवः

जैन दर्शन के प्रवर्तक हैं –

(क) गौतमबुद्ध (ख) जैमिनि

(ग) अक्षपाद (घ) ऋषभदेव

11 सांख्यदर्शने अव्यक्तमिति पदेन कस्य अभिधानम् ?

(क) पुरुषस्य (ख) प्रकृतेः

(ग) ईश्वरस्य (घ) अहङ्कारस्य

सांख्य दर्शन में अव्यक्त शब्द से किसे जाना जाता है ?

(क) पुरुष (ख) प्रकृति

(ग) ईश्वर (घ) अहङ्कार

12 सांख्यमते पुरुषाः कति ?

(क) एकः (ख) द्वौ

(ग) पञ्च (घ) बहवः

सांख्य के अनुसार कितने पुरुष हैं ?

(क) एक (ख) दो

(ग) पाँच (घ) बहु

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

13 पतञ्जलिना किं विरचितम् ?

(क) ब्रह्मसूत्राणि (ख) योगसूत्राणि

(ग) मीमांसासूत्राणि (घ) व्याकरणसूत्राणि

पतंजलि ने किसकी रचना की ?

(क) ब्रह्मसूत्र (ख) योगसूत्र

(ग) मीमांसासूत्र (घ) व्याकरणसूत्र

14 यस्याम् अवस्थायां चित्तम् इन्द्रियविषये मुग्धं सत् तत्त्वचिन्तने असमर्थं भवति, सा हि –

(क) क्षिप्तभूमिः (ख) विक्षिप्तभूमिः

(ग) मूढभूमिः (घ) निरुद्धभूमिः

वह अवस्था जिसमें मन इंद्रियों से मोहित हो जाता है और वास्तविक तत्त्व का विचार करने में असमर्थ हो जाता है –

(क) क्षिप्तभूमि (ख) विक्षिप्तभूमि

(ग) मूढभूमि (घ) निरुद्धभूमि

15 शुद्धाद्वैतवादस्य प्रधानाचार्यः कः ?

(क) मध्वाचार्यः (ख) श्रीकण्ठः

(ग) वल्लभाचार्यः (घ) निम्बार्कः

शुद्ध अद्वैत के प्रमुख आचार्य कौन हैं ?

(क) मध्वाचार्य (ख) श्रीकण्ठ

(ग) वल्लभाचार्य (घ) निम्बार्क

16 शुद्धाद्वैतानुसारं प्रपञ्चस्य निमित्तकारणं किं ?

(क) ब्रह्म (ख) माया

(ग) जीवः (घ) हिरण्यगर्भः

शुद्धाद्वैतानुसारं प्रपञ्च का निमित्त कारण क्या है ?

(क) ब्रह्म (ख) माया

(ग) जीव (घ) हिरण्यगर्भ

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

17 अद्वैतवेदान्तमते जीवब्रह्मणोः कीदृशः सम्बन्धः ?

(क) अंशाभिभावः (ख) स्वामिभृत्यवत्सम्बन्धः

(ग) अभेदसम्बन्धः (घ) नास्त्येव सम्बन्धः

अद्वैत वेदांत के अनुसार जीव और ब्रह्म के बीच क्या संबंध है ?

(क) अंशाभिभाव (ख) स्वामिभृत्यवत्सम्बन्ध

(ग) अभेदसम्बन्ध (घ) नास्त्येव सम्बन्ध

18 भामतीपक्षे मायायाः आश्रयः कः ?

(क) ब्रह्म (ख) जीवः

(ग) ईश्वरः (घ) हिरण्यगर्भः

भामती के पक्ष में माया का आश्रय कौन है ?

(क) ब्रह्म (ख) जीव

(ग) ईश्वर (घ) हिरण्यगर्भ

19 सुखम् अहम् अस्वाप्सम् इति कस्यानुभवः ?

(क) सुषुप्तस्य (ख) सुप्तोत्थितस्य

(ग) स्वप्नस्थस्य (घ) मुक्तस्य

सुखम् अहम् आस्वाप्सम् – ऐसा किसका अनुभव होता है ?

(क) सुषुप्त का (ख) निंद से जागते हुए का

(ग) स्वप्न में रसने वाले का (घ) मुक्त पुरुष का

20 सतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा –

(क) शून्यता (ख) मोक्षः

(ग) विवर्तः (घ) परिणामः

सतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा –

(क) शून्यता (ख) मोक्ष

(ग) विवर्त (घ) परिणाम

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[B] प्रश्नसंख्या 21-35 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नं द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं 30 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति। 2×15=30

प्रश्न संख्या 21-35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है और इसके लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

21 अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु द्वयोः उत्तरं ददातु। 2

(क) कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधको विधिः हि ________।

(ख) पुराणानां रचयिता हि ________।

नीचे रिक्त स्थान में दो के उत्तर दीजिए:

(क) कर्मजन्य फलस्वाम्य बोधक विधि है ________।

(ख) पुराणों के रचयिता हैं ________।

22 अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि एकस्य उत्तरं ददातु। 2

(क) मूले मूलाभावात् ________ ________ इति हि सांख्यसूत्रम्।

(ख) विशिष्टाद्वैतमते मोक्षोपायो द्विधा ________ ________ चेति।

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में से किसी एक का उत्तर दें।

(क) मूले मूलाभावात् ________ ________ यह सांख्य सूत्र है।

(ख) विशिष्टाद्वैत दृष्टिकोण के अनुसार, मुक्ति के साधन दो प्रकार के हैं ________ और ________ ।

23 अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु द्वयोः उत्तरं ददातु। 2

(क) सांख्यमते दुःखस्य आत्यन्तिकी ________ च निवृत्तिः मोक्षः।

(ख) सांख्यस्य समानतन्त्रं दर्शनं हि ________ ।

नीचे रिक्त स्थान में दो के उत्तर दीजिए।

(क) सांख्य के अनुसार दुःख की आत्यन्तिकी और ________ निवृत्ति ही मोक्ष है।

(ख) सांख्य का समान तन्त्र दर्शन है ________ ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

24 अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु। **2**

“यथा सतः पुरुषात् ________ तथाक्षरात् सम्भवतीह ________।”

नीचे दिए गए रिक्त स्थान में उत्तर दीजिए:

“यथा सतः पुरुषात् ________ तथाक्षरात् सम्भवतीह ________।”

25 अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु। **2**

कारणस्य स्वरूपम् ________ अन्यरूपप्राप्तिः हि परिणामः।

अद्वैतवेदान्तमते अभावः ________ प्रमाणगम्यः।

नीचे दिए गए रिक्त स्थान में उत्तर दीजिए:

कारण का स्वरूप ________ अन्यरूप प्राप्त होना ही परिणाम है।

अद्वैत वेदान्त के अनुसार अभाव ________ प्रमाण से जाना जाता है।

26 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) आरण्यकस्य परिशिष्टभूता हि उपनिषत्। सत्यम्/असत्यम्

(ख) प्रसिद्धानि अष्टाविंशतिः पुराणानि सन्ति। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) उपनिषद आरण्यक का परिशिष्ट है। सत्य/असत्य

(ख) अट्ठाईस प्रसिद्ध पुराण है। सत्य/असत्य

27 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) विशिष्टाद्वैतदर्शने पञ्च प्रमाणानि अङ्गीक्रियन्ते। सत्यम्/असत्यम्

(ख) सांख्यमते प्रतिशरीरं पुरुषो भिन्नः। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) विशिष्टाद्वैत दर्शन में पाँच प्रमाण स्वीकार किये जाते हैं। सत्य/असत्य

(ख) सांख्य के अनुसार प्रत्येक शरीर में पुरुष भिन्न है। सत्य/असत्य

28 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) संक्षेपशारीरककारमते अविद्यायां चित्प्रतिबिम्बः ईश्वरः। सत्यम्/असत्यम्

(ख) यत्र आरोपो भवति तद्धि आरोप्यम्। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) संक्षेपशारीरककार के अनुसार अविद्या में चैतन्य का प्रतिबिम्ब ही ईश्वर है। सत्य/असत्य

(ख) जहां आरोप होता है वह ही आरोप्य है। सत्य/असत्य

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

29 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) न किश्चित् ज्ञातमिति परामर्शे अज्ञानमेव विषयः। सत्यम्/असत्यम्

(ख) अद्वैतवेदान्तमते ब्रह्म एव नित्यं वस्तु। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) कुछ भी नहीं ज्ञात है – इस ज्ञान में अज्ञान ही विषय है। सत्य/असत्य

(ख) अद्वैत वेदान्त के अनुसार, ब्रह्म ही नित्य वस्तु। सत्य/असत्य

30 अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु। **2**

(क) येषां कर्मणां स्वर्गादि इष्टं फलं तानि निमित्तानि। सत्यम्/असत्यम्

(ख) भामतीकारस्य मते मायायाः आश्रयः जीवः। सत्यम्/असत्यम्

नीचे दिए गए वाक्यों में सत्य और असत्य कथन चुनें।

(क) जिन कर्मों का फल इष्ट स्वर्ग आदि होता है वे निमित्त कर्म हैं। सत्य/असत्य

(ख) भामतीकार के अनुसार, माया का आश्रय जीव है। सत्य/असत्य

31 मेलनं कुरु – **2**

(क) साम	1. होता
	2. अध्वर्युः
(ख) यजुः	3. ब्रह्मा
	4. उद्गाता

उचित मिलान करें –

(क) साम	1. होता
	2. अध्वर्यु
(ख) यजु	3. ब्रह्मा
	4. उद्गाता

32 मेलनं कुरु – **2**

(क) सत्त्वम्	1. आवरणकम्
	2. चलम्
(ख) रजः	3. लघु
	4. गुरु

उचित मिलान करें –

(क) सत्त्व	1. आवरणक
	2. चल
(ख) रज	3. लघु
	4. गुरु

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

33 मेलनं कुरु – **2**

(क) शङ्कराचार्यः 1. श्रीभाष्यम्

2. वेदान्तपारिजातभाष्यम्

(ख) निम्बार्कः 3. अणुभाष्यम्

4. शारीरकभाष्यम्

उचित मिलान करें –

(क) शङ्कराचार्य 1. श्रीभाष्य

2. वेदान्तपारिजातभाष्य

(ख) निम्बार्क 3. अणुभाष्य

4. शारीरकभाष्य

34 मेलनं कुरु – **2**

(क) विवरणकाराः 1. अवच्छेदवादः

2. प्रतिबिम्बवादः

(ख) भामतीकाराः 3. आभासवादः

4. विज्ञानवादः

उचित मिलान करें –

(क) विवरणकार 1. अवच्छेदवाद

2. प्रतिबिम्बवाद

(ख) भामतीकार 3. आभासवाद

4. विज्ञानवाद

35 मेलनं कुरु – **2**

(क) समष्ठयज्ञानोपहितं चैतन्यम् 1. प्राज्ञः

2. ईश्वरः

(ख) व्यष्ठयज्ञानोपहितं चैतन्यम् 3. ब्रह्म

4. तुरीयम्

उचित मिलान करें –

(क) समष्ठयज्ञानोपहित चैतन्य 1. प्राज्ञ

2. ईश्वर

(ख) व्यष्ठयज्ञानोपहित चैतन्य 3. ब्रह्म

4. तुरीय

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[C] षट्–प्रश्नानां यथानिर्देशम् लघूनि उत्तराणि लिखत। **2×6=12**
निर्देशानुसार छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें।

36 पुराणस्य पञ्च लक्षणानि कानि?

अथवा

कणादस्य मते कति पदार्थाः? के च ते?

पुराण का पाँच लक्षण क्या हैं?

अथवा

कणाद के अनुसार कितने पदार्थ हैं? वे क्या हैं?

37 शून्यवादिनां बौद्धानां मते सत्यं कतिविधम्? कानि च तानि?

अथवा

बौद्धदर्शने कति सम्प्रदायाः के च ते?

शून्यवादी बौद्धों के अनुसार सत्य कितने प्रकार के होते हैं? और वे क्या हैं?

अथवा

बौद्धदर्शन में कितने संप्रदाय हैं? और वे कौन से हैं?

38 मल्लिषेणसूरिणा विरचितः जैनदर्शनस्य ग्रन्थः कः?

अथवा

बौद्धानां मूलधर्मग्रन्थः कः? महायाने के सम्प्रदायाः अन्तर्भवन्ति?

मल्लिशेण सूरी द्वारा रचित जैन दर्शन का कौन सा ग्रंथ है?

अथवा

बौद्धों का मूल धर्मग्रंथ कौन सा है? महायान में कौन से संप्रदाय शामिल हैं?

39 प्रथमतीर्थङ्करः कः? महावीरः कतमः तीर्थङ्करः?
प्रथम तीर्थंकर कौन थे? महावीर कौन से तीर्थंकर हैं?

40 संसारस्य निवृत्तिः कथम् भवति?

अथवा

अद्वैतवेदान्तमते मोक्षः कः?

संसार की निवृत्ति कैसे होती है?

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार मोक्ष क्या है?

41 चित्तविक्षेपाः के?
चित्तविक्षेप कौन है?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] षट्–प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। 3×6=18

छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

42 विनियोगविधिविषये लघुटिप्पणीं लिखत।

अथवा

तैत्तिरीयोपनिषदः समासेन परिचयः दीयताम्।

विनियोग विधि पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

अथवा

तैत्तिरीय उपनिषदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

43 योगदर्शनानुसारेण यथेच्छं द्वयोः चित्तवृत्त्योः स्वरूपं समासेन विचार्यताम्।

योग दर्शन के अनुसार वांछित दो चित्तवृत्तिओं का स्वरूप पर संक्षेप में विचार करें।

44 प्रकृतिसत्त्वे प्रमाणानि लिखत।

अथवा

अद्वैतवेदान्तानुसारेण मोक्षसाधनानि आलोच्यन्ताम्।

प्रकृति के अस्तित्व के प्रमाण लिखिए।

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार मोक्ष के साधनों पर चर्चा करें।

45 अनेकजीववादस्य मूलवैशिष्ट्यानि लिखत।

अनेकजीववाद की मूल विशेषताएं लिखिए।

46 दमविषये लघुटिप्पणीं लिखत।

अथवा

वेदान्तानुसारेण पञ्चीकरणप्रक्रियां वर्णयत।

दम के बारे में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

अथवा

वेदांत के अनुसार पञ्चीकरण प्रक्रिया का वर्णन करें।

47 अद्वैतवेदान्तमते अध्यारोपं समासेन वर्णयत।

अद्वैत वेदांत के अनुसार अध्यरोप का संक्षेप में वर्णन करें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। 5×4=20

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए।

48 गौतमबुद्धस्य जीवनपरिचयं समासेन लिखत।

अथवा

अनेकान्तवादस्य वर्णनां कुरुत।

गौतम बुद्ध के जीवन का संक्षिप्त परिचय लिखें।

अथवा

अनेकान्तवाद का वर्णन करें।

49 सांख्यदर्शनानुसारेण प्रकृतेः स्वरूपं समासेन लिखत।

सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति का स्वरूप संक्षेप में लिखिए।

50 अद्वैतवेदान्तमते आत्मनः कारणशरीरं वर्णयत।

अथवा

अद्वैतवेदान्तमते मोक्षस्वरूपं वर्णयत।

अद्वैत वेदांत के अनुसार आत्मा के कारण शरीर का वर्णन करें।

अथवा

अद्वैत वेदांत के अनुसार मुक्ति के स्वरूप का वर्णन करें।

51 विशिष्टाद्वैतदर्शनानुसारेण मोक्षोपायं विचारयत।

विशिष्ट अद्वैत दर्शन के अनुसार मोक्ष के साधनों पर विचार करें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279